Practically all the units are working now. In HFC itself, as on today, they are working. You have things like Haldia which never opened. So there is no question. It never worked for a single day. The point about HFC in short is that this was at the beginning. Actually when the industry was set up, we had problems at that point of time of a finacial nature. We relied on credits. For instance, in the case of Haldia, there are 13 different credits. There are problems, therefore, resulting in imbalances, in the plant and machinery. There are technology deficiencies of such a grave nature that the plant could not be commissioned, as I was saying. And similar things happened to the HFC generally. It is not a question of deficiencies alone. It is a question of power supply. In the case of Haldia, for instance, with due respect I may say that the West Bengal Government themselves, their electricity boards, dod not supply power at that point of time. This is just a minor element. I do not want to make an issue of it. But there are a number of complex elements which have made the plant nonviable in most cases and, therefore, we are having problems. But the plants are working at this point of time, by and large.

MR. CHAIRMAN : Question No. 122. (*Interruption*) we have taken twenty minutes on this question.

SHRI MENTAY PADMANABHAM : This is a very important question, Sir.

MR. CHAIRMAN : It could be taken up through some other way, not spending time during Question Hour.

*122. [The questioner (Shri Sukomal Sen) was absent. For answer, vide Col.....

Amorphous Nature of Crystalline Solids

*123. SHRI JAGNNAT SINGH : will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the technology known as Amorphous nature of Crystalline Solids developed by Ms. Seema Kaila of Roorkee University; and

(b) if so, the details there of and what action is being taken by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF ATOMIC ENERGY, SPACE AND MINISTER OF STATE; IN THE MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY SHRI BHUVNESH CHATURVEDI) (a) and (b) Government are not aware of the technology developed by Ms. Seema Kaila of Roorkee University. She left the University in 1984 after post-graduation in Chemistry.

श्री जगन्नाथ सिंह : सभापति महोदय, मंत्री जी ने जो मुझे उत्तर दिया है, उसके अनुसार इस प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी सरकार को नहीं है और 1984 में उन्होंने इस विश्वविद्यालय को छोड़ दिया। 1984 के पूर्व जब सुश्री सीमा कैला जब वहां पर थी तो इस प्रौद्योगिकी के संबंध में विश्वविद्यालय को जानकारी थी, मेरी जानकारी इस संबंध यह है लेकिन क्या सरकार की ओर से विश्वविद्यालय से इस संबंध में जानकारी चाही गई थी ?

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : सभापति महोदय, जैसे मैंने निवेदन किया है, ऐसी कोई सूचना हमारे पास नहीं है। रुड़की यूनिवर्सिटी से भी-मालूम किया, वहां भी सूचना उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसके लिए जानकारी करेंगे और माननीय सदस्य को सूचित करेंगे। अगर माननीय सदस्य के पास कोई जानकारी उपलब्ध हो तो वह भेजने की कृपा करें।

श्री जगन्नाथ सिंह : सभापति महोदय, खेद की बात यह है कि किसी नवीन प्रौद्योगिकी के संबंध में यदि कोई रिसर्च अपनी ओर से नागरिकों द्वारा की जाती है तो उस संबंध में सरकार किस प्रकार से उदासीन है, यह सरकार द्वारा दिये गये उत्तर से स्पष्ट होता है। मैं सरकार से अपेक्षा करता हूं और आश्वासन चाहता हूं कि इस संबंध में जानकारी एकत्र कर के सदन को अवगत कराया जाए। मैं यह भी जानना चाहता हूं कि यह जानकारी कब तक उपलब्ध कराई जाएगी ?

MR. CHAIRMAN : The hon. Minister has said that even the University has no information about it. Therefore, if the hon.

Member has any information, he can send it to the Minister so that he would be able to pursue the matter.

THE PRIME MINISTER (SHRI P.V. NARASIMHA RAO) : We do not know where she is.

MR. CHAIRMAN : The University does not know where she had gone. If the hon. Member has any information, he can send to the Minister.

*124. [The questioner (Shri Ram Singh Rathaur) was absent. *For answer*, vide Col. .....infra]

Opening of Skies to Foreign Airlines

*125. SHRI VIRENDRA KATARIA Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report captioned "India to open skies to foreign airlines" which appeared in the Times of India dated the 12th February, 1994; and

(b) if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Yes, Sir.

(b) Government do not propose to allow foreign airlines to operate to India without conditions of reciprocity. Entitlements for flight operations will continue to be settled with Governments of other countries, under the prevailing bilateral system.

श्री वीरेन्द्र कटारिया : जनाब चेयरमैन साहब क्या वजीरे शहरी हवाबाजी बतायेंगे कि कुछ रोज पहले केबीनेट सेक्रेटरी साहब ने कुछ एयर लाइंस की, इंटरनेशनल एयर-लाइंस की एक मीटिंग सदारत की थी जिसमें ब्रिटिश एयरवेज, एयर फ्रांस, लुफ्थांजा, सिंगापुर एयर लाइंस, गल्फ एयर और एयर इंडिया के नुमाइंदे शामिल थे । मैं आनरेबल वजीर साहब से जानना चाहता हूं कि उस मीटिंग में क्या कोई फार्मल फैसले हुए हैं और अगर फार्मल फैसल हुए हैं तो उनकी क्या डिटेल है ?

श्री गुलाम नबी आजाद : सभापति महोदय, जहां तक मीटिंग का संबंध है, मीटिंग हुई थी लेकिन वह मीटिंग उसमें जो न्युज आइटम आईथी यह कोई कत्तई फैसला करने के लिए नहीं की गई थी ट्रेड, इंडस्ट्री और बाकी जगहों से जो साल भर से लोगों के मशविरे आ रहे थे, लोगों की सलाह आ रही थी, वह तमाम एक पेपर में कम्पाइल किये गये थे और उस पर चर्चा हुई थी । तो वह कोई सरकार की तरफ से ऐसा पेपर नहीं बनाया गया था कि जिस पर कोई फैसला लेना था या निर्णय लेना था उसको जितने लोगों ने सलाह दी थी साल भर में उस को एक पेपर में कंपाइल करने के लिए, पेपर डिसकशन करने के लिए पेपर बना हुआ था, उस पर चर्चा हुई थी । लेकिन इस समय का वक्त देते हुए क्यों कि बहुत सारे पेपरों में उस की चर्चा आई है तो मेरे ख्याल में जो लोगों के मन में उस क लिए आशंकाएं और शक पैदा हुआ है उस के लिए उस शक को मैं खत्म करना चाहता हूं ।

There has been a lot of speculation about the "Open Sky" policy. I have already clarified it on the floor of the Lok Sabha on the 23rd of February, 1994 and would like to reiterate the clarification so as to set the speculations at rest. By repealing the Air Corporations Act, we have opened the Indian sky for operation of scheduled flights by domestic airlines only and not foreign airlines. Government has no intention of making our sky free for all.

श्री वीरेन्द्र कटारिया : चेयरमैन साहब, मैं बजीरे शहरी हवाबाजी और टूरिज्म से यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि नार्थ-ईस्टर्न स्टेट्स में जो रेस्ट्रिक्टेड परमिट सिस्टम है क्योंकि उस एरिया में बहुत सी इनसर्जेंसी है और यह मुल्क के इन्टरेस्ट में नहीं है कि उसको सब लोगों के लिए खुला छोड़ दिया जाए । मैं यह जानना चाहता हूं कि गवर्नमेंट की क्या कोई ऐसी पालिसी है कि इस परमिट को खत्म करके वहां पर फॉरेन टूरिस्ट जाएं